रक्षा आपूर्ति का माध्यम बनेगा मिसाइल उत्पादन केंद्र

चिल्लावां में ब्रह्मोस एनजी मिसाइल की उत्पादन यूनिट शिलान्यास कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री

जास. लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अमौसी के चिल्लावां में ब्रह्मोस एनजी (न्यू जनरेशन) मिसाइल की उत्पादन यूनिट और डीआरडीओ की आधुनिक टेस्टिंग लैब शिलान्यास कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर पहले डिफेंस उत्पादन गोड की घोषणा की थी। फरवरी 2020 में डिफेंस एक्सपो का सफल आयोजन कराया गया। वर्ष 2018 के यूनियन बजट में तमिलनाडु व यूपी में डिफेंस कारिडोर बनाने की घोषणा हुई थी। रक्षामंत्री के विशेष रुचि लेने से यूपी के डिफेंस कारिडोर के सभी छह गोड लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी व चित्रकूट में कार्य प्रारंभ है। यह मिसाइल उत्पादन केंद्र रक्षा आपूर्ति का माध्यम भी बनेगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मृत प्राय हो चुके एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) को साढ़े चार साल में आगे बढ़ाया है। एमएसएमई ने 1.21 लाख करोड़ का निर्यात किया है। लाकडाउन में यूपी में 40 लाख प्रवासी आए थे। एमएसएमई से ज्यादातर को यूपी में ही काम मिला। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत ने हमेशा मैत्री, कल्याण व शांति का संदेश दिया है। इसका मतलब यह नहीं कि देश की 135 करोड़ की जनता की सुरक्षा पर आंच आने देंगे। कोई भारत की सुरक्षा पर टेढ़ी नजर डाले तो उसका जवाब कैसे दिया जाता है। इसे पिछले साढ़े सात साल में सबने देखा है।

अमौसी के चिल्लावां में ब्रह्मोस एनजी मिसाइल की उत्पादन यूनिट और आधुनिक टेस्टिंग लैब का शिलान्यास करते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह साथ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय शहरी कार्य राज्य मंत्री कौशल किशोर (बाएं) व मंत्री स्वाती सिंह (दाएं) • जागरण

प्रदर्शनी में निशाना लगाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • जागरण

दुश्मन देशों के सामने दहाड़ेगा लखनऊ: मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्मोस उत्पादन इकाई से रक्षा क्षेत्र में दुनिया के देशों के लिए हम प्रोडक्शन करेंगे। लखनऊ अब केवल मुस्कराएगा ही नहीं, दुश्मन देश के सामने दहाड़ेगा भी। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है, जो किसी को छेड़ता नहीं और कोई छेड़ दे तो फिर छोड़ता नहीं है।

नेवी के लिए बनेगी मिसाइल: हरौनी के पास 200 एकड़ भूमि में ब्रह्मोस नई जनरेशन की मिसाइल का उत्पादन होगा। इस मिसाइल का उपयोग नौसेना में किया जाएगा। दो से तीन साल में मिसाइल उत्पादन केंद्र तैयार हो जाएगा। यहां हर साल 80 से 100 ब्रह्मोस नई जनरेशन मिसाइल का उत्पादन होगा। यह मिसाइल छोटी और वजन में कम होगी। इससे मिसाइल की मारक क्षमता बढ़ेगी। वहीं 22 एकड़ भूमि पर डीआरडीओ की रक्षा प्रौद्योगिकी व परीक्षण केंद्र में आइआइटी, आइटीआइ जैसी तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं, स्टार्टअप के लिए परीक्षण की सुविधा होगी। यहां डिजाइन व सिम्युलेशन सेंटर, इंडस्ट्री 4.0 सेंटर डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग, डीप टेक इनोवेशन एंड स्टार्ट अप सेंटर, स्किल डेवलपमेंट सेंटर व बिजनेस डेवलपमेंट सेंटर भी होगा। यहां डीआरडीओ के आविष्कारों की प्रदर्शनी लगी। यहां डीआरडीओ अध्यक्ष डा. जी सतीश रेड्डी, ब्रह्मोस यूनिट के सीईओ अतुल राणे, नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन, जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह, महिला कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार स्वाती सिंह व महापौर संयुक्ता भाटिया भी उपस्थित थीं।